Prof. (Dr.) Sanjay Kumar
Department of Psychology
Maharaja college, Ara

सुनने की अक्षमता में सीखना और अनुकूलन (Learning and Adjustment of Hearing Disability)

सुनने की अक्षमता (Hearing Impairment) व्यक्ति के जीवन को कई तरीकों से प्रभावित कर सकती है, लेकिन सही तकनीकों, शिक्षा और सामाजिक समर्थन के माध्यम से इसे सफलतापूर्वक प्रबंधित किया जा सकता है। यह लेख सुनने की अक्षमता से ग्रसित व्यक्तियों के सीखने और अनुकूलन (Adjustment) की प्रक्रिया को विस्तार से समझाने का प्रयास करेगा।

1. सुनने की अक्षमता को समझना (Understanding Hearing Disability)

(I) प्रकार (Types of Hearing Loss)

- संवेदी-तंत्रिका सुनने की हानि (Sensorineural Hearing Loss): यह आंतरिक कान (Inner Ear) या सुनने की नसों (Auditory Nerve) की क्षति के कारण होती है।
- चालकता संबंधी सुनने की हानि (Conductive Hearing Loss): यह बाहरी (Outer Ear) या मध्य कान (Middle Ear) की समस्या के कारण होती है।
- मिश्रित सुनने की हानि (Mixed Hearing Loss): जब उपरोक्त दोनों प्रकार की समस्याएँ एक साथ होती हैं।
- पूर्ण बहरेपन (Total Deafness): जब व्यक्ति को बिल्कुल भी सुनाई नहीं देता।

(II) सुनने की हानि के स्तर (Degrees of Hearing Loss)

- हल्की (Mild): हल्की आवाजें सुनने में कठिनाई होती है।
- मध्यम (Moderate): आम बातचीत को समझने में दिक्कत होती है।
- गंभीर (Severe): केवल ऊँची आवाज़ें ही सुनी जा सकती हैं।
- अत्यधिक गंभीर (Profound): किसी भी प्रकार की आवाज़ नहीं सुनी जा सकती।

Edit with WPS Office

2. सीखने की प्रक्रिया में अनुकूलन (Adjustment in Learning Process)

सुनने की अक्षमता वाले बच्चों और वयस्कों को शिक्षा प्राप्त करने और नई चीज़ें सीखने के लिए कुछ विशेष तरीकों को अपनाना पड़ता है।

संचार के तरीके (Modes of Communication)

(I) सुनने में सहायक उपकरण (Assistive Devices):

- हियरिंग एड (Hearing Aid): यह ध्वनि को बढ़ाने का काम करता है।
- कॉक्लियर इम्प्लांट (Cochlear Implant): यह उन लोगों के लिए उपयोगी होता है जो गहरी सुनने की अक्षमता से ग्रसित होते हैं।

(II) संकेत भाषा (Sign Language):

भारत में "इंडियन साइन लैंग्वेज (ISL)" का उपयोग किया जाता है। यह संचार का एक प्रभावी माध्यम है, खासकर उन लोगों के लिए जो पूरी तरह से बहरे होते हैं।

(III) लिप-रीडिंग (Lip Reading):

व्यक्ति सामने वाले के होंठों की गति को देखकर शब्दों को समझ सकता है। यह प्रक्रिया सुनने की क्षमता में सुधार नहीं करती, लेकिन संवाद को आसान बनाती है।

(IV) लिखित और दृश्य सामग्री (Written & Visual Material):

- पाठ्य सामग्री को टेक्स्ट या चित्रों के रूप में उपलब्ध कराना।
- वीडियो, डिजिटल ऐप और इंटरैक्टिव लर्निंग टूल का उपयोग।

3. सामाजिक और भावनात्मक अनुकूलन (Social and Emotional Adjustment)

सुनने की अक्षमता केवल शारीरिक चुनौती नहीं है, बल्कि यह भावनात्मक और सामाजिक प्रभाव भी डालती है।

(A) पारिवारिक और सामाजिक समर्थन (Family & Social Support)

- परिवार और मित्रों को संकेत भाषा और लिप-रीडिंग सीखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
- समाज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए ताकि लोग सुनने की अक्षमता वाले लोगों के प्रति अधिक संवेदनशील बन सकें।

Edit with WPS Office

(B) आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास (Self-Reliance & Confidence)

- विशेष शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना चाहिए।
- काउंसलिंग (Counseling) और मोटिवेशनल सेशन (Motivational Sessions) से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया जा सकता है।

4. शिक्षा और रोजगार में अवसर (Opportunities in Education & Employment)

सुनने की अक्षमता वाले लोगों के लिए शिक्षा और रोजगार में कई अवसर उपलब्ध हैं।

(A) शिक्षा (Education)

- विशेष विद्यालय (Special Schools): ऐसे स्कूलों में संकेत भाषा और हियरिंग एड जैसी सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं।
- समावेशी शिक्षा (Inclusive Education): सामान्य स्कूलों में विशेष शिक्षकों और संसाधनों की सहायता से पढ़ाई।
- ऑनलाइन और डिजिटल लर्निंग (Online & Digital Learning): विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जो सुनने में अक्षम लोगों के लिए अनुकूलित होते हैं।

(B) रोजगार के अवसर (Employment Opportunities)

- सरकारी योजनाएँ: सरकार द्वारा विकलांग व्यक्तियों के लिए विशेष आरक्षण और योजनाएँ चलाई जाती हैं।
- तकनीकी प्रशिक्षण: कम्प्यूटर स्किल्स, डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, और अन्य नौकरियों के लिए विशेष प्रशिक्षण।
- स्वरोज़गार (Self-Employment): सुनने की अक्षमता वाले व्यक्ति खुद का व्यवसाय या स्टार्टअप भी शुरू कर सकते हैं।

5. सरकारी योजनाएँ और सहायता (Government Schemes & Support)

भारत में सुनने की अक्षमता से ग्रसित लोगों के लिए कई योजनाएँ और सहायता उपलब्ध हैं, जैसे:

- दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (Department of Empowerment of Persons with Disabilities - DEPwD)

Edit with WPS Office

- असमर्थ जन सहायता योजना (Assistance to Disabled Persons for Purchase/Fitting of Aids and Appliances - ADIP Scheme)
- दिव्यांगजन पेंशन योजना (Disability Pension Scheme)
- विशेष शिक्षा और छात्रवृत्ति (Special Education & Scholarships)
- सरकार और विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) द्वारा भी सुनने में अक्षम व्यक्तियों की सहायता के लिए कई कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

सुनने की अक्षमता व्यक्ति की क्षमताओं को सीमित नहीं करती, बल्कि सही अनुकूलन और प्रशिक्षण से वे भी सामान्य जीवन जी सकते हैं। उचित तकनीक, संचार कौशल, सामाजिक सहयोग और शिक्षा के माध्यम से सुनने की अक्षमता वाले व्यक्ति आत्मनिर्भर बन सकते हैं। समाज को भी इस विषय में अधिक जागरूक होने की आवश्यकता है ताकि वे इस समुदाय को बेहतर अवसर प्रदान कर सकें।

Edit with WPS Office